

9. मगही भाषा में प्रमाण पत्र (CERTIFICATE IN MAGAHI LANGUAGE)

उद्देश्य : मगही, प्राचीन मगध साम्राज्य की राजभाषा, राष्ट्रभाषा और संपर्क भाषा के रूप में प्रचलित थी। मगध की सभ्यता और संस्कृति की वाहिका के रूप में इस भाषा का महत्वपूर्ण स्थान रहा है। नालंदा खुला विश्वविद्यालय ने न केवल इस गौरवमयी मगध भूमि और इसकी भाषा का सम्मान करने का निश्चय किया है, अपितु वर्तमान कालीन साढ़े तीन करोड़ के आस-पास मगही भाषा-भाषियों की आशा, आकांक्षा आदि पर भी खरा उतरने के सफल प्रयास के लिये मगही भाषा में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम की पढ़ाई प्रारंभ की है।

इस सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम के रोजगार के क्षेत्र में भी अहम् भूमिका के निर्वाह की सम्भावना है। कई विश्वविद्यालयों में मगही विषय में बी० ए० (ऑनर्स) तथा एम०ए० की पढ़ाई की जा रही है तथा कई अन्य विश्वविद्यालयों में इसे प्रारम्भ करने की योजना है, जिससे रोजगार की सम्भावनायें खुलेंगी। इस पाठ्यक्रम में नामांकन के लिये न्यूनतम योग्यता मैट्रिक पास है।

पाठ्यक्रम संरचना : मगही भाषा के षड्मासीय सर्टिफिकेट कोर्स में तीन पत्र होंगे। प्रत्येक पत्र 100 अंकों का होगा और प्रत्येक पत्र की परीक्षा अवधि तीन घण्टे की होगी। सभी सैद्धान्तिक पत्रों में 80 अंकों के लिये लिखित परीक्षा होगी एवं 20 अंकों का सत्रीय कार्य जमा करना होगा। पत्रों का विवरण नीचे दिया गया है :

Scheme of Examination - Students being admitted to this course must pass in each paper of the examination to pass the certificate course. To pass in each paper, a student must secure at least 33% of marks in each paper separately. To determine 33% of marks in each paper, the marks obtained by a student, both in term-end written examination and home assignment, shall be clubbed and counted together to determine the aforesaid percentage. However, if a candidate has secured Zero mark in the term-end written examination or home assignment examination in any paper, as the case may be, he/she will be deemed to have failed in that paper. Failure in one paper will mean failure in that part of the examination. Hence, students must strive hard to pass separately in each paper.

The term-end examination shall be held at the end of the academic session and, as said, it will be compulsory to pass in each paper of the examination before a student is declared to have passed his/her certificate course.

This course is divided into 3 papers; each carrying 100 marks. The distribution of marks between written examination assignment and practical work will be as follows:

Paper	Title of the paper	Distribution of Marks Between Theory and Assignment		Minimum Marks required to pass the examination (written exam. + Assignment)
		Written exam	Assignment	
1	मगही साहित्य एवं व्याकरण	80	20	33
2	मगही पद्य साहित्य	80	20	33
3	मगही गद्य साहित्य	80	20	33
	Total	240	60	33 marks in each papers